दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्षः- 05
अंकः- 43
मुरादाबाद
03 June 2025
(Tuesday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े, पैराग्वे के राष्ट्रपति से बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपकी यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक है। दूसरी बार पैराग्वे के किसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। मुझे खुशी है कि आपके साथ ताकतवर प्रतिनिधिमंडल आया है। आप केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि मुंबई भी जा रहे हैं। मेरा विश्वास है कि आपसी सहयोग से हम साझी समृद्धि मार्ग प्रशस्त करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे पास आर्थिक सहयोग सहित डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, रक्षा, रेलवे और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर हैं। इसके अलावा भारत और पैराग्वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी आम चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग- उन्होंने कहा कि भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग हैं। हमारी आशाएं, आकांक्षाएं और चुनौतियां में समानता है, इसलिए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखकर इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं। हमें संतोष है कि कोरोना महामारी के दौरान हम भारत में बनी वैक्सीन को पैराग्वे के लोगों के साथ साझा करने में सक्षम थे। करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी -पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा से आपसी संबंधों के विश्वास, व्यापार और करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी। यह भारत-लैटिन अमेरिका संबंधों को भी नए आयाम प्रदान करेगी।

संक्षिप्त समाचार

तीन जून से वितरित होंगे यूपी बोर्ड के 10वीं-12वीं के अंकपत्र व प्रमाणपत्र, निर्देश जारी

राजधानी लखनऊ में तीन जून से यूपी बोर्ड के 10वीं-12वीं के अंकपत्र व प्रमाणपत्र वितरित होंगे। स्कूल-कॉलेजों के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। अंकपत्र व प्रमाण-पत्र राजकीय जुबिली कॉलेज में दो दिनों तक वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा कक्षा नौ की नामावली भी आ गई है।यूपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के अंकपत्र व प्रमाण-पत्र के लिफाफे राजधानी लखनऊ पहुंच चुके हैं। इनका वितरण स्टेशन रोड स्थित राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में मंगलवार से शुरू होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज से हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2026 के लिए शैक्षिक सत्र 2024-25 के परीक्षार्थियों के कक्षा नौ की अग्रिम पंजीकरण कार्ड व नामावली और 10वीं-12वीं परीक्षा वर्ष-2025 के प्रमाण-पत्र व अंकपत्र के लिफाफे आ गए हैं। लिफाफों का वितरण तीन से चार जून तक किया जाएगा

इस संबंध में सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त व वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने यहां किसी शिक्षणेत्तर कर्मचारी को नामित करते हुए अंकपत्र व प्रमाण-पत्र के लिफाफे प्राप्त कर लें। उन्होंने बताया कि लिफाफों का वितरण तीन जून से चार जून तक किया जाएगा।

चंद्रशेखर की टिप्पणी पर मायावती ने किया पलटवार, कहा- बरसाती मेंढक नहीं कर सकते हैं आपका भला

चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को लखनऊ में हुए कार्यक्रम में आकाश आनंद पर टिप्पणी की थी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस पर पलटवार किया है।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद द्वारा आकाश आनंद को लेकर कसे तंज पर पलटवार करते हुए कहा कि बसपा को कमजोर करने वाले संगठन और दल बरसाती मेंढक की तरह हैं, जो विधायक, सांसद या मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है।बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि देश में बसपा ही बहुजन हित की एकमात्र आंबेडकरवादी पार्टी है। पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई करने व पश्चाताप करने पर उन्हें वापस लेने की परंपरा है। इसी क्रम में आकाश आनंद के उतार-चढ़ाव व उन्हें मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर बनाने से बहुत से लोगों में बेचैनी स्वाभाविक है। पार्टी को उम्मीद है कि अब आकाश आनंद डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं कांशीराम के आत्म-सम्मान के कारवां को आगे बढ़ाने व उनके सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी पूरी तनम्यता व जी-जान से निभाएंगे। पार्टी को अवसरवादी व स्वार्थी लोगों की कतई जरूरत नहीं है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद का नाम लिए बिना कहा कि वैसे भी कांग्रेस, भाजपा व सपा आदि पार्टियों के सहारे व इशारे पर चलकर बहुजनों की एकता व बसपा को कमजोर करने वाले बरसाती मेंढकों की तरह के संगठन व दलों के नेता चाहे निजी स्वार्थ में विधायक, सांसद व मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है। लिहाजा लोग इनसे सावधान रहें। बता दें कि चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को कहा था कि आकाश आनंद को जनता नकार चुकी है। उन्हें मजबूरी में निकाला और रखा जा रहा है। बसपा के पास और कोई विकल्प नहीं है।आकाश आनंद पर की थी ये टिप्पणी। बसपा में आकाश आनंद की दोबारा वापसी पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जनता उन्हें नकार चुकी है। मजबूरीवश उन्हें निकाला और लिया जा रहा है। उनके पास कोई विकल्प नहीं है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती का मैं सम्मान करता हूं। कांशीराम और भीमराव अंबेडकर के मिशन को अब हमारी पार्टी पूरा करेगी। चंद्रशेखर ने कहा कि बाबा साहब कहते थे कि मुर्दा लोग मिशन नहीं चलाते और जिंदा मिशन को नहीं छोड़ते। कांशीराम के संदेश और मिशन को आगे बढ़ने का काम आजाद समाज पार्टी कर रही है। एमपी-एमएलए और मंत्री बनना हमारा सपना होता, तो हमारी पार्टी के प्रथम पंक्ति में बैठे लोग आज किसी पार्टी में मंत्री होते।

रजित गुप्ता ने पूरे देश में हासिल की रैंक-1 और लखनऊ के श्रेयस ने किया यूपी टॉप, देश में मिली 68वीं रैंक

श्रेयस लोहिया

रजित गुप्ता

जेईई एडवांस्ड 2025 में ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल करने वाले कोटा के रजित गुप्ता ने बताया कि गलतियों से सीखे गए सबक ने उन्हें सफलता दिलाई।देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड 2025 में कोटा निवासी रजित गुप्ता ने ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल कर पूरे शहर को गौरवान्वित कर दिया है। रजित, जो महावीर नगर, कोटा के रहने वाले हैं, ने 332 नंबर हासिल किए और बताया कि गलतियों से सीखने और खुशी के साथ पढ़ाई करने का मंत्र ही उनकी सफलता की कुंजी बना।जित ने बताया कि पढ़ाई के दौरान सबसे ज्यादा फोकस रहता था कि गलतियों को रिपीट नहीं करूं, क्योंकि गलतियां दूर होने से ही आपकी सब्जेक्ट में नींव मजबूत होती है। मेरा की ऑफ सक्सेस है, हैप्पीनेस। हर हाल में खुश रहता हूं। अब भी मौका मिलता है तो कॉलोनी के बच्चों के साथ खेलता हूं। अपनी तैयारी को लेकर कॉन्फिडेंट रहता हूं। हालांकि, मैंने कभी पढ़ाई को लेकर स्ट्रिक्टली शेड्यूल फॉलो नहीं किया, क्योंकि इससे बिना मतलब प्रेशर पड़ता है। इसलिए जब मन होता था, तभी पढ़ता था लेकिन जितनी देर भी पढ़ता था, वो अच्छे से पढ़ता था। डाउट्स क्लीयर करने के बाद ही टॉपिक में आगे पढ़ता था। मेरा मुख्य ध्यान इस बात पर था कि मुझे गलतियां नहीं दोहरानी चाहिए, क्योंकि गलतियों को दूर करने पर ही आपके विषय की नींव मजबूत होती है।

लखनऊ के श्रेयस ने यूपी टॉप किया। उन्हें देश में 68वीं रैंक मिली है। बेटे के परिणाम से परिवार में खुशी का माहौल है। जेईई एडवांस के नतीजे सोमवार को जारी कर दिए गए। लखनऊ के श्रेयस लोहिया को यूपी में पहला स्थान मिला है। उन्होंने देश में 68वीं रैंक हासिल की। श्रेयस के पिता गजेंद्र लोहिया लखनऊ दूरदर्शन में कार्यरत हैं। पिता गजेंद्र ने कहा कि बेटे की सफलता से वह बहुत खुश हैं। मां विनीता लोहिया ने कहा कि बेटे का पहले भी परिणाम बेहतर था। इस बार उसे पहले से भी बड़ी सफलता मिली है। हम लोगों ने बेटे को समय से पढ़ने के लिए प्रेरित किया। लेकिन, कभी उस पर दबाव नहीं बनाया।जेईई मेन में मिली थी ऑल इंडिया 6वीं रैंक श्रेयस को जेईई मेन में ऑल इंडिया 6वीं रैंक मिली थी। उनका परसेंटाइल स्कोर 100 था। श्रेयस जेवियर स्कूल गोमतीनगर के छात्र रहे हैं। परिणाम का पूरा ब्योरा ऑफिशियल वेबसाइट jeeadv.ac.in पर अपलोड कर दिया गया है। छात्र यहां से अपना परिणाम देख सकते हैं।

डबल इंजन की भाजपा सरकार ने असम को धोखा दिया, खरगे ने केंद्र पर लगाए आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पूर्वोत्तर की बाढ़ के लिए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने असम को बाढ़ मुक्त बनाने का वादा किया था, लेकिन वे वादा पूरा नहीं कर पाए।भारत के उत्तर पूर्वी राज्य इन दिनों बाढ़ और भारी बारिश से जूझ रहे हैं। इसके चलते उत्तर पूर्वी राज्यों में 40 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है। इसे लेकर सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। खरगे ने कहा कि उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ और भारी तबाही को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी पीएम केयर फंड के दरवाजे खोलेंगे। खरगे ने दावा किया कि पीएम केयर फंड में करोड़ों रुपये बिना ऑडिट के रखे हुए हैं। खरगे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी ने साल 2016 में असम को बाढ़ मुक्त प्रदेश बनाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने असम को धोखा दिया है। खरगे ने केंद्र सरकार पर लगाए वादा तोड़ने के आरोप सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में खरगे ने लिखा कि उत्तर पूर्वी राज्य भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं। बाढ़ और भूस्खलन के चलते लाखों लोगों प्रभावित हुए हैं। खरगे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से इस मुश्किल घड़ी में लोगों की मदद करने की अपील की। खरगे ने लिखा कि %साल 2016 में भाजपा ने बाढ़ मुक्त असम बनाने का वादा किया था। 2022 में अमित शाह ने भी इस वादे को दोहराया। अब कथित स्मार्ट शहर गुवाहाटी की तस्वीरे देखकर लगता है कि मोदी जी और उनकी डबल इंजन की सरकार ने असम के साथ धोखा किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि %मोदी सरकार को सभी उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए फंड जारी करना चाहिए और खासकर असम के लिए ताकि बाढ़ के हालात से निपटा जा सके। मोदी जी पीएम केयर फंड से भी फंड आवंटित कर सकते हैं, जिसमें बिना ऑडिट के करोड़ों रुपये पड़े हैं। असम में बाढ़ से 10 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे चार लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। निचले इलाकों और नदियों के तटीय इलाकों में हालात ज्यादा खराब हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि असम, अरुणाचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश से हुई मौतों का समाचार अत्यंत दुखद है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। ईश्वर सभी की रक्षा करें। केंद्र और राज्य सरकारों से अपील है कि राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि लोगों को कम से कम तकलीफ उठानी पड़े। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से भी आग्रह करती हूं कि प्रभावित लोगों की यथासंभव मदद करें। गृह मंत्री ने राज्यों के सीएम से की बात- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर पूर्वी राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से फोन पर बात की है। उन्होंने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि मोदी सरकार उत्तर पूर्व के लोगों के साथ इस मुश्किल घड़ी में मजबूती के साथ खड़ी है। मौसम विभाग ने उत्तर पूर्वी राज्यों में 5 जून तक बारिश का अनुमान जारी किया है। कुछ इलाकों में इस दौरान भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

संपादकीय Editorial

Land plunder in Palampur

Earlier, the land was pulled from under the feet, now the traces of the land are being crushed under the feet. The illegal purchase and sale of about 100 kanals of land under the Banuri Patwar Circle of Palampur has snatched away all the promises of the government's 'Intkaal' reform scheme. The entire machinery would not have been tainted under the supervision of the land revenue mafia gang if senior journalist Ravindra Sood had not pointed out this matter. The victims of the case are twenty families, in whose name the rights of tenancy have been tilling the land for years, but it is amazing that those who measure the land and protect the government records have hung all the honest traditions on the peg of their own court, their own advocacy and their own selfishness. If the land of Palampur can be robbed, then it is an account of the character of the entire state. If such cases are dug up, then the mafia kingpins will be found in every office, every Patwar Circle and in every intention of purchase and sale. After the recommendation of the Land Ceiling Act in Himachal, the maximum discrepancies have been born in the laboratory of the Revenue Department. In the Palampur case, the departmental investigation and collusion arrangements reach an English land owner TJ Glensal. The case even finds his daughter Rozna Sarafa in the ancestral inheritance in 1965 and she is brought alive on paper. There are many layers, deeds and faces of this crime, which are searching for the departmental Alamgir. Actually, the market value of land in Himachal is constantly increasing and also many new Jagirdars have emerged while buying and selling the land of the state. These Jagirdars are showing their dominance over water, forest and land by demonstrating their reach to the Revenue Department, administration, politics and power. Many faces have the influence of their rule in the branches set up before the land sale deals and these people are now the new satraps of Himachal. Every development proposal now has a new landlordship. No medical college is built here, rather the adjacent fields become pastures for purchase. The masterminds of the Palampur land sale may be seen in the uniform of the Revenue Department, but they are the same people who have been selling the greenery of the tea gardens earlier. They are the same people who have been selling the entire Himachal for years under new regulations. The land market in Himachal has always been hot, but the buyer here is not an ordinary person. There are many landlords in the property of Himachal. This is the development of corruption, which is being measured on the ground. We do not say that the Palampur land case is a new feeling, but there is a complaint against those silences which are not alert on such issues. After the land reform in Himachal, new 'Raja Ji' have been born. Here, despite Section 118, the fields have been halaled. After the Muzara law, the agricultural land has decreased, so this is also bringing out the duality of social character. In such a situation, when the grip of the mafia that encroaches on farms is getting stronger, the layers of the Palampur case should be exposed. If a thorough investigation is done, such disputes will be hanging on the pegs of the Revenue Department from every city to village in Himachal. We are no longer twisting the branches of farms for houses and shops, but many officers, bureaucrats, politicians and elections can be seen emerging from land deals. In a state where even the election of a Panchayat councillor is costing lakhs, the suspicious role of land deals, allotment of contracts, collusion between departments cannot be ignored. It remains to be seen that just as the Sukhu government restored the 'Intkaal' stuck for years, in the same way.

Will the narrow lanes of law not be used to save POCSO criminals?

Out of court settlements happen due to family and social pressure, and sometimes the courts also give such a verdict that ends the case. A similar case has recently come out of the streets of the Supreme Court. Most of the cases registered under the POCSO Act die down even after reaching the court. Somewhere out of court settlements happen due to family and social pressure, and sometimes the courts also give such a verdict that ends the case. A similar case has recently come out of the streets of the Supreme Court. Supreme Court Justice Abhay S. Oak, in the last days of his tenure, gave the decision to pardon the convict of raping a minor girl. The bench of Justice Oak and Justice Ujjwal Bhuisan gave this decision using the privilege under Article 142 of the Constitution. Whereas earlier the accused was sentenced to 20 years of imprisonment by the High Court. Such decisions force us to think that if we leave aside the 'rare of the rarest' cases, child marriage is still prevalent in many parts of India, which is a crime by law. Are such "narrow lanes" becoming a way to save the criminals? This case is from West Bengal. Here a 24-year-old youth had a relationship with a minor girl in 2018, after which a case was registered under the POCSO Act. Later both of them got married and they also have a child. The court considered it an exceptional case and gave the verdict keeping in mind the situation of both the parties. A similar decision has also come out from Madhya Pradesh. Case of Madhya Pradesh High Court- A single bench of Justice Anand Pathak in Gwalior Bench had given this verdict on 15 May 2024. The court held that in view of the marriage and birth of a child between the two parties, rehabilitative justice is required, not punitive action. A case was registered against the accused under POCSO. In the case, the girl's father had lodged a missing report in 2021. The police recovered the girl from Kanpur in 2022, where the girl refused to return with her father and said that she wanted to live with the accused of her own free will. In the court too, she confirmed that she had entered into a relationship with the accused of her own free will and they are living a peaceful life together. Similarities in the cases- Both these are 'rare of the rarest' cases, in which there is a love affair and both the parties are married. But many times in society, the victim is forcibly married to the accused by putting family and social pressure on her. Such a marriage is like reliving that horrific incident every day for the victim. Is this right? In Indian society, marriage is considered sacred and a lifelong relationship. In such a situation, is it not injustice to the victim to get her married under compulsion? If the case is related to a minor girl, then it becomes even more serious. Sections of the POCSO Act and interpretation of the crime The POCSO Act, 2012 is a stringent law against sexual crimes, which gives a broad definition of child sexual abuse. Under 18 years of age, children are legally considered as children. Section 3: All types of sexual assault on children are crimes, including sexual assault, rape, criminal rape, pornography, etc. Section 4: Penetrative sexual assault on a child is considered a crime. Section 5: Sexual assault on a child is a punishable offense. Section 6: Punishment is prescribed for sexual harassment on a child. Section 9: There is a provision for trial in special courts for POCSO crimes against children. Apart from this, under Section 376 (3) of the Indian Penal Code (IPC), sexual relations with children between the ages of 16 and 18 are also considered rape. The main topic of focused debate is whether the consent of children below 18 years of age can be legally recognized or not. The POCSO Act makes it clear that the consent of a child below 18 years of age will not be considered valid. This means that even if the child agrees, having physical relations with him/her will still be a crime. This law has been made on the basis that children are not mature enough to take their own decisions and it is important to prevent their sexual exploitation.

A glimpse of Jungle Raj, Supreme Court's comment on Bengal violence

The Supreme Court has cancelled the bail of the accused of the violence that took place after the 2021 assembly elections in Bengal. The court said that the accused tried to intimidate opposition leaders which was an attack on democracy. The CBI investigation took place due to the intervention of the judiciary. The court admitted that the allegations against the accused are conscience-shaking. The comments made by the Supreme Court while cancelling the bail of the accused of the horrific violence that took place in Bengal in May 2021, are not only to put the Mamata government in the dock but also to tell how political violence is encouraged in this state. The Supreme Court cancelled the bail of the accused saying that they tried to intimidate opposition leaders with their violent activities and this violence was an attack on democracy. The CBI investigation of this violence was possible due to the intervention of the judiciary. It is good that the CBI's opposition to the High Court's grant of bail to the accused of this violence was found justified by the Supreme Court, saying that the allegations against the accused were shocking to its conscience. This is indeed the case. As soon as the trends of the results started coming after the assembly elections in 2021 and it became clear that the Trinamool Congress was coming to power again, a mob of workers and supporters of this party attacked those who they suspected had voted for the opposition parties and especially the BJP. The houses of such people were burnt, shops were looted, women were stripped naked. Despite this terror, the Bengal Police remained a mute spectator. It did not even help those who went to it for help. The police advised them to go to a safe area. Helpless people fled to Assam to save their lives. On the terrible post-election violence, Mamata Banerjee said that till then she had not taken oath as the Chief Minister and the Election Commission should have stopped the violence. What else can this be called except making excuses. Anyway, during their rule, political violence has become common, as was once the case during the time of the left parties. The latest example of this is the gruesome violence against the Hindus of Murshidabad a few days ago on the pretext of opposing the Wakf Act. The report of the committee formed by the Calcutta High Court to investigate this violence, which came a few days ago, says that this violence was done at the behest of Trinamool Congress leaders and even at that time the police remained a silent spectator. This means that the Trinamool Congress is giving protection to the elements who terrorize political opponents and now such elements have become unbridled. After all, what did the Hindus of Murshidabad have to do with the Wakf Act? On this violence, Mamata said that the BJP and the BSF had conspired for it. It would be better if the Supreme Court also considers the solution to the jungle raj like situations in West Bengal.

A big decision, fifth generation modern fighter planes need to be manufactured within the stipulated time

Operation Sindoor has proved that India is capable of manufacturing modern defence equipment and technology. The way our defence equipment and technology exposed the Chinese air defence along with shooting down the Turkish drone is being acknowledged by defence experts across the world. Defence Minister Rajnath Singh's announcement to manufacture fifth generation advanced fighter planes in the country and seek the help of the private sector is a decision that should have been taken much earlier. Every possible measure should be taken to ensure that this decision is taken to manufacture fifth generation modern fighter planes within the stipulated time with the joint participation of government and private companies. Therefore, more should be done because, along with the expenditure of foreign capital in purchasing them from other countries, many kinds of pressures have to be faced. Many times, there is a delay in getting the aircraft. The same situation is seen in the case of other defence materials as well. Many countries provide advanced defence equipment, but do not provide their technology or delay in providing their spare parts. It cannot be ignored that there is a delay in manufacturing adequate number of Tejas fighter planes because America is reluctant to supply engines for them. The Air Force Chief has also expressed disappointment over the delay in the manufacture of these planes. It is believed that America is delaying the supply of engines for Tejas fighter planes so that it can sell its fighter planes to India. Today, when the methods of war are changing, India will have to be able to manufacture all kinds of defense equipment domestically, because only by doing this can it become a superpower in the true sense. There is no harm in taking the help of foreign companies in the beginning, because only by doing this can advanced defense material be manufactured rapidly. Operation Sindoor has also proved that India is capable of manufacturing modern defense equipment and technology. The way our defense equipment and technology exposed the Chinese air defense along with shooting down the Turkish drone is also being accepted by defense experts from all over the world. The Brahmos missile made in collaboration with Russia and Akash based on indigenous technology have proved that our defence scientists are second to none. They need to be given full encouragement. Ever since the participation of the private sector has been increased in the manufacture of defence material, India's defence exports have increased rapidly. The way the shares of government and private sector companies have jumped after the latest decision of the Defence Ministry shows that the country was waiting to become self-reliant in the defence sector. It should also be kept in mind that companies manufacturing defence equipment also become capable of making advanced non-defence equipment with time.

मुरादाबाद में दिल दहला देने वाली वारदात- 20 साल की युवती की चाकुओं से गोदकर हत्या, मक्के के खेत में मिला शव

मुरादाबाद के मैनाठेर क्षेत्र में सायरा की चाकुओं से गोदकर नृशंस हत्या कर दी गई। उसका रक्तरंजित शव मक्के के खेत में मिला। मां की शिकायत पर गांव के युवक रफी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। मुरादाबाद के मैनाठेर क्षेत्र से रविवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। शनिवार शाम से लापता चल रही सायरा (20) का शव गांव के ही पास मक्का के खेत में खून से सना हुआ मिला। युवती की चाकू से गोदकर नृशंस हत्या की गई थी। पूरे शरीर पर चाकू के कई गहरे वार थे। यह वारदात इतनी खौफनाक थी कि शव की हालत देखकर ग्रामीणों की रूह कांप उठी।मौके पर पहुंची युवती की मां की चीख सुनकर गांवभर में मातम छा गया। घटना ग्राम मिलक मैनाठेर की है। यहां के निवासी आले हसन की बेटी सायरा शनिवार शाम को घर से पशुओं के लिए घास काटने जंगल की ओर गई थी। जब देर रात तक वह घर नहीं लौटी तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।रविवार सुबह करीब 11 बजे उसकी मां शफीना उसे खोजते हुए नरौदा रोड स्थित मंदिर के पास जब्बार के मक्का के खेत में पहुंची। जहां उन्होंने सायरा का खून से लथपथ शव देखा। कपड़े भी पूरी तरह खून में सने थे। इसे देख मां के होश उड़ गए और उनकी चीख-पुकार से गांव में सनसनी फैल गई।शव मिलने की खबर पर गांव के लोग घटनास्थल पर जुट गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।एसएसपी ने लिया घटनास्थल का जायजा घटना की गंभीरता को देखते हुए मुरादाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सतपाल अंतिल खुद मौके पर पहुंचे और घटना की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और फुटेज तैयार की।हत्या का आरोप गांव के ही युवक पर, पहले भी करता था परेशान मृतका की मां शफीना ने पुलिस को दी गई तहरीर में गांव के ही युवक रफी पर हत्या का आरोप लगाया है। मां का कहना है कि रफी उनकी बेटी सायरा को लंबे समय से परेशान कर रहा था। वह उसे प्रेम जाल में फंसाना चाहता था और मना करने पर धमकी भी देता था। शफीना ने दावा किया कि रफी ने पहले भी सायरा को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने शफीना की तहरीर पर आरोपी रफी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।जांच के लिए गठित की गई तीन टीमें हत्या की जांच के लिए पुलिस ने तीन अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। इसके साथ ही एसओजी को भी जांच में लगाया गया है। एसएसपी ने बताया कि जल्द ही हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और घटना का खुलासा किया जाएगा।गांव में पसरा मातम, महिलाओं में दहशत निर्मम हत्या के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। खासकर महिलाओं और लड़कियों में डर और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

किशोर गृह के छत का ताला तोड़ा... दो बच्चे भाग निकले, अब हो रही तलाश, एक अमरोहा दूसरा दिल्ली निवासी

मुरादाबाद -मोरा की मुस्तकम स्थित एनजीओ के किशोर गृह से दो नाबालिग बच्चे भाग गए। उन्होंने जीने के दरवाजे का ताला तोड़कर छत के कंटीले तार पार किए और निर्माणाधीन मकान के रास्ते भाग निकले। बच्चों के भागने की जानकारी केयर टेकर के आने पर हुई, जिसके बाद संस्था ने पुलिस को सूचना दी। मोरा की मुस्तकम स्थित एक एनजीओ के किशोर गृह की सुरक्षा को धता बताते हुए रविवार सुबह दो बच्चे भाग निकले। सिविल लाइंस पुलिस की छानबीन से पता चला कि दोनों जीने के दरवाजे का ताला तोड़कर भाग निकले। सीसीटीवी फुटेज में बच्चे भागते हुए दिख रहे हैं।पुलिस ने बच्चों समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एनजीओ के सचिव जयशंकर शर्मा कीर्ति शिक्षण संस्थान में लावारिस बच्चों को रखते हैं। इस किशोर गृह में दिल्ली के मंगोलपुरी सुलतानपुरी निवासी 12 साल के बच्चे को 18 मई लाया गया था।इसी प्रकार अमरोहा जिले के हसनपुर निवासी 15 वर्षीय किशोर को 24 अप्रैल को संभल की संस्था के कहने पर यहां रखा गया था। रविवार की सुबह करीब सात बजे दोनों बच्चे भागने के लिए जीने से ऊपर पहुंचे और गेट पर लगा ताला तोड़कर छत पर लगे कंटीले तारों को पार करते पास में निर्माणाधीन मकान से होते हुए भाग निकले। बच्चों को चाय देने के लिए केयर टेकर पहुंचे तो दोनों गायब मिले। छत के दरवाजे का ताला टूटा देखकर संस्था के लोगों को बच्चों के भागने की जानकारी हुई। इस मामले में संस्था के सचिव ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम भी पहुंच गई। पुलिस ने दोनों बच्चों के फोटो सोशल मीडियो पर प्रसारित कर दिए हैं। पुलिस ने सचिव जयशंकर शर्मा की तहरीर पर दोनों बच्चे के साथ केयर टेकर रवींद्र, हाउस फादर कौशल के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने संस्था में लगे कैमरों की फुटेज कब्जे में ले ली है। थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया कि दोनों बच्चों की तलाश के प्रयास जारी हैं। जल्द ही दोनों बच्चों को ढूंढ लिया जाएगा। सामने आई केयर टेकर की लापरवाही- पुलिस की पूछताछ में पता चला कि संस्था में बच्चों की देखरेख के लिए तीन गार्ड रखे गए हैं। शनिवार को एक गार्ड नहीं आया था। सुबह ड्यूटी पर तैनात गार्ड शाम को चाबी देकर चला गया। रात में कमल सिंह नाम के गार्ड ने रविवार सुबह चार बजे तक ड्यूटी की। उसके जाने के बाद केयर टेकर रविंद्र शर्मा और हाउस फादर कौशल पर बच्चों की देखरेख की जिम्मेदारी थी। दोनों सुबह तक सोए हुए थे। पुलिस बच्चों को भागने में केयर टेकर की लापरवाही मान रही है। संस्था में अभी भी 18 बच्चे -जिला बाल कल्याण अधिकारी श्रद्धा ने बताया कि संस्था में अभी भी 18 बच्चे मौजूद हैं। संस्था से भागे दिल्ली के बच्चे की काउंसिलिंग की गई थी। पहले उसने झूठ बोला था कि उसके माता-पिता इस दुनिया में नहीं हैं। मां से बाल कल्याण अधिकारी ने संपर्क किया तो उसने बताया कि बच्चा चोरी करने लगा था। इसी

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रेम में हारा प्रेमी- पेड़ से लटककर दी जान, मरने से पहले बनाई वीडियो, कहा- मेरी मौत का मैं खुद जिम्मेदार

मुरादाबाद -यूपी के संभल स्थित ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव सकतपुर निवासी चरण सिंह ने शनिवार की देर शाम गांव के बाहर एक पेड़ के सहारे फंदा लगाकर जान दी है। मेरी मौत का जिम्मेदार मैं खुद हूं, मेरे परिवार को परेशान न किया जाए। कोई कानूनी कार्रवाई भी न की जाए। इसमें किसी का दोष नहीं है। यह बात 22 वर्षीय चरन सिंह ने जान देने से पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो में कहीं। पुलिस ने वीडियो को कब्जे में लिया है। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजन तो जान देने के कारण को स्पष्ट नहीं कर रहे हैं लेकिन गांव में चर्चा है कि युवक एक युवती के प्रेम में निराश हो गया था। इसके चलते उसने यह कदम उठाया है। पुलिस का कहना है कि ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।यूपी के संभल स्थित ऐंचोड़ा कंबोह थाना के गांव सकतपुर निवासी चरण सिंह ने शनिवार की देर शाम गांव के बाहर एक पेड़ के सहारे फंदा लगाकर जान दी है। युवक ने जान देने से पहले अपने मोबाइल का वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू किया। इसमें वह पेड़ से फंदा बांधकर खुद लटकता दिख रहा है। 40 मिनट के इस वीडियो में चरण सिंह ने यही कहा है कि वह अपनी मौत का खुद जिम्मेदार है। इसमें किसी का दोष नहीं है। मेरे परिवार को परेशान न किया जाए। शव लटका देख ग्रामीणों ने शोर मचाया तो तमाम लोग एकत्र हो गए। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया। मोबाइल में जो रिकॉर्ड वीडियो मिला है। उसको कब्जे में लिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि युवक के माता-पिता की मौत हो चुकी है। बड़ा है जो मजदूरी करता है। चरण सिंह कभी कभी मजदूरी करता था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि युवक एक युवती से प्रेम करता था।

टमाटर पर मौसम की मार, लागत भी न निकलने से किसान लाचार, प्रित एकड़ 40 हजार का नुकसान

मुरादाबाद - मुरादाबाद जिले के टमाटर किसानों को इस बार मौसम की मार और बाजार में दाम गिरने से भारी नुकसान हो रहा है। उत्पादन पिछले साल की तुलना में आधा रह गया और भाव भी 10-12 रुपये प्रति किलो से घटकर 6-7 रुपये रह गए। किसानों को प्रति एकड़ करीब 40 हजार रुपये तक घाटा हो रहा है। मुरादाबाद जिले के टमाटर उत्पादक किसानों को इस बार मौसम की मार पड़ी। किसानों का कहना है कि टमाटर की फसल का न सिर्फ उत्पादन घटकर आधा रह गया है, बल्कि पिछले साल की तुलना में कीमत भी आधी रह गई। इससे फसल की लागत भी नहीं निकल पा रही है। इससे किसान परेशान हैं।किसानों के अनुसार पिछले वर्ष प्रति एकड़ औसतन 180 क्विंटल टमाटर का उत्पादन हुआ था और बाजार में उचित दाम भी मिले थे, लेकिन इस बार उत्पादन घट कर आधा रह गया है। यही नहीं पिछले साल किसानों को अपनी टमाटर की उपज का भाव 10 से 12 रुपये प्रति किलो तक सीजन में मिला था। इस बार छह से सात रुपये में उनका टमाटर बिक रहा है, क्योंकि इस बार बाहरी जिलों से भी भारी मात्रा में टमाटर आ रहा है। किसानों को करीब 40 हजार रुपये प्रति एकड़ का घाटा हो रहा है। किसानों का कहना है कि टमाटर की फसल जब फूल पर थी तो पछुवा हवा चल गई, जिसकी वजह से फूल झड़ गए और समय पर बारिश नहीं होने का भी असर फसल पर पड़ा। बिलारी क्षेत्र के किसान नफीस ने बताया कि पिछले साल 10 एकड़ टमाटर की फसल बोई थी। करीब 180 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन हुआ था। मुनाफा ठीक हुआ था, लिहाजा इस बार 12 एकड़ क्षेत्र में टमाटर की खेती की। करीब 80 हजार रुपये प्रति एकड़ लागत आई। फसल बेचने पर प्रति एकड़ 40 हजार रुपये ही मिले। इस बार काफी नुकसान हुआ। किसान हरपाल सिंह ने बताया कि मौसम की मार से फसल का उत्पादन आधा रह गया है। पछुवा हवा से टमाटर का फूल गिरने से फसल पर असर पड़ा। कीटों का प्रकोप भी अधिक रहा। छह एकड़ में टमाटर की फसल बोई। फसल छह रुपये से सात रुपये किलो बिक रही है। मुरादाबाद, बनारस, बलिया की मंडी के व्यापारी टमाटर ले जा रहे हैं। दो लाख रुपये से अधिक का घाटा होने का अनुमान है। अधिक समय तक एक ही फसल से लगता है कीट लंबे समय तक एक ही खेती करने वाले किसानों की फसल में कीट के प्रकोप की संभावना अधिक रहती है। किसानों को हमेशा फसल चक्र अपनाने की सलाह दी जाती है। पिछले साल की तुलना में टमाटर के कम उत्पादन की एक वजह यह भी है। इसके अलावा उत्पादन बीज, समय पर खाद, दवा आदि पर भी निर्भर करता है। - डॉ. रविंद्र, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र ठाकुरद्वारा मंडी में मंडल के विभिन्न जिलों के अलावा बदायूं से भी टमाटर आ रहा है। टमाटर की आवक बढ़ गई है, लेकिन एक माह पहले 10 से 12 रुपये प्रति किलो तक बिकने वाला टमाटर बमुश्किल छह से सात रुपये किलो बिक रहा है। इससे किसानों को भी उचित भाव नहीं मिल पा रहा है। - प्रीतम सिंह सैनी, अध्यक्ष, फल-सब्जी विक्रेता कल्याण समिति जिले में टमाटर की खेती सबसे कम - उद्यान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मंडल के मुरादाबाद जिले में इस बार सबसे कम 50 हेक्टेयर क्षेत्र में टमाटर की खेती हुई है। संभल में 121, अमरोहा में 142, रामपुर में 52 और बिजनौर में 85 हेक्टेयर क्षेत्र में टमाटर की खेती की गई।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमिका से मिलने आए युवक को बंधक बनाकर कराया विवाह

भोजपुर,- कानपुर के युवक और कस्बे की युवती की फेसबुक से शुरू हुई दोस्ती कुछ ही दिनों में प्यार में बदल गई। बात आगे बढ़ी तो युवक प्रेमिका से मिलने उसके घर आने लगा। यह सिलसिला विगत दो वर्षों से चल रहा था। युवती का कहना है कि प्रेमी ने विवाह करने का झांसा देकर दो वर्षों में कई बार संबंध बनाए। शुक्रवार की रात को भी प्रेमी पहुंचा। रात बीतने के बाद युवक घर जाने को तैयार हुआ तो युवती और उसके परिजनों ने विवाह करने को कहा। युवक अगले महीने परिजनों को साथ लाकर विवाह करने की बात कहकर टालमटोल करने लगा। युवती और उसके परिजन विवाह करने की जिद पर अड़ गए। युवती के परिजनों ने युवक को बंधक बना लिया। पूरे दिन युवक को विवाह करने के लिए मनाने का दौर चला। युवक परिजनों की गैरमौजूदगी में विवाह करने को राजी नहीं हुआ। हारकर युवती ने पुलिस को बुलाकर प्रेमी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने युवक के परिजनों को सूचना देकर थाने आने को कहा उन्होंने साफ मना कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजने को कहा तो युवक विवाह करने को राजी हो गया। रविवार सुबह प्रेमी युगल अग्नि को साक्षी मानकर विवाह के बंधन में बंध गए। उसके बाद युवक अपने परिजनों को मनाने के लिए अकेला कानपुर चला गया। ब्राह्मण जाति के युवक और सैनी जाति की युवती का विवाह क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मुरादाबाद में टोरेंट गैस की सप्लाई बंद, दो सौ से ज्यादा निर्यात फैक्टरियों में काम प्रभावित, चालक परेशान

मुरादाबाद -मुरादाबाद में गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया की पाइपलाइन मरम्मत के कारण टोरेंट गैस लिमिटेड ने औद्योगिक गैस आपूर्ति बंद कर दी है। इससे दिल्ली रोड और अन्य क्षेत्रों की फैक्टरियों में प्लेटिंग, पाउडर कोटिंग और भट्ठियों से जुड़ा कार्य ठप हो गया है। लगभग 200 निर्यात इकाइयां प्रभावित हुई हैं। मुरादाबाद जिले में गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की पाइपलाइन मरम्मत के कारण टोरेंट गैस लिमिटेड ने औद्योगिक गैस आपूर्ति दो जून की रात 11 बजे तक बंद रखी है। इसके कारण दिल्ली रोड व शहर की कई फैक्टरियों में काम प्रभावित हुआ है। प्लेटिंग, पाउडर कोटिंग व भट्ठियों से संबंधित काम ठप है।इससे ऑर्डर लेट होने की आशंका बढ़ गई है। वहीं कुछ निर्यातकों ने समय रहते गैस सिलिंडरों की व्यवस्था कर ली, क्योंकि टोरेंट ने पहले ही आपूर्ति बंद रहने की जानकारी साझा की थी। इसके बावजूद कई ऐसे उद्यमी हैं जिन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनाई। उनके फैक्टरियों में उत्पादों पर प्लेटिंग व पाउडर कोटिंग का काम दो जून तक बंद हो गया है।तीन जून से सप्लाई सुचारु होगी तो काम शुरू हो सकेगा। निर्यातकों का कहना है कि कंटेनर एक दिन भी लेट होता है तो माल भेजने के लिए जहाज नहीं मिल पाता। जहाज के लिए एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ता है। इस बीच ग्राहक दबाव बनाते हैं और कई बार नुकसान झेलना पड़ता है। वर्तमान में फैक्टरियों में काम का पीक सीजन चल रहा है। अमेरिका से लेकर यूरोप व खाड़ी देशों के ऑर्डर तैयार किए जा रहे हैं। अमेरिका के ऑर्डर बहुत जल्द जहाजों में लदान के लिए भेजे जाने वाले हैं। इस बीच गैस की सप्लाई बंद होने से निर्यातकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुरादाबाद में 200 से अधिक निर्यात इकाइयां प्रभावित हैं। सीएनजी वाहन चालकों को भी परेशानी- सीएनजी के फिलिंग स्टेशन बंद रहने से वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने अपने ऑटो खड़े रखे। टोरेंट गैस लिमिटेड के सहायक महाप्रबंधक पीके चौधरी ने बताया कि क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 26 सीएनजी स्टेशन संचालित हैं। इनमें केवल छह स्टेशन फीफी फिलिंग स्टेशन (कांठ), अजीत सिंह फिलिंग स्टेशन (चंदौसी), एसएएचपी फिलिंग स्टेशन (ठाकुरद्वारा), सुहानी फिलिंग स्टेशन (बाईपास एनएच-09), भगवती फिलिंग स्टेशन (बेलवाड़ा) और कृष्णा फिलिंग स्टेशन (छजलैट) पर ही वाहनों के लिए गैस की उपलब्धता रही। उन्होंने बताया कि कंपनी की ओर से जिला प्रशासन को भी स्थिति से अवगत कराते हुए सहयोग मांगा गया। सोमवार रात 11 बजे से आपूर्ति बहाल हो जाएगी। इसके बाद कोई समस्या नहीं होगी। कंपनी ने पहले ही सूचना दे दी थी, लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण कई फैक्टरियों में प्लेटिंग, पाउडर कोटिंग का काम रुक गया है। कई कारोबारियों को नुकसान हो सकता है। - नवेदुर्रहमान, अध्यक्ष, एमएचईए मेरी फैक्टरी में टोरेंट का कनेक्शन नहीं है, लेकिन संगठन का महासचिव होने के नाते में जानता हूं कि दिल्ली रोड पर कई फैक्टरियों में साथियों का काम प्रभावित है। ऑर्डर लेट हो सकते हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

श्री संकटमोचन हनुमान जी को अर्पित किया जायेगा चांदी का मुकुट

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। पीलीभीत बाईपास रोड स्थित महानगर टाउनशिप के श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में भक्तजनों के सहयोग से विक्रम संवत 2082 ज्येष्ठ मास शुक्ल के चतुर्थ बड़े मंगल को दिनांक 03 जून, को चांदी का मुकुट अर्पित किया जायेगा। इस संबंध में मंदिर प्रांगण में श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर समिति द्वारा एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में मंदिर समिति के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि 10 अक्टूबर 2004 में कालोनी में मंदिर की स्थापना के बाद से विभिन्न विकास कार्य सम्पन्न हुए हैं। उन्होंने बताया कि आरंभ में श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में हनुमान मूर्ति की प्राण - प्रतिष्ठा होने के बाद शिव - परिवार, मां दुर्गा, और राधा - कृष्ण की मूर्तियों की प्राण - प्रतिष्ठा की गई। समिति अध्यक्ष ने बताया कि मंदिर प्रांगण में वर्ष 2021 के जनवरी माह में पुजारी जी के आवास और फरवरी में श्री राम दरबार का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। एवं 8 दिसंबर 2021 को भगवान परशुरामजी का चित्र भी धूमधाम से स्थापित किया गया। मां तुलसी चबूतरा निर्माण भी हुआ। 22 अक्टूबर 2024 को पंजाब एंड सिंध बैंक के सौजन्य से मंदिर में वाटर कूलर लगवाया गया। इसे ही अनेक मंदिर में विकास कार्य किए गए। 3जून को दोपहर तीन बजे से सुंदरकांड पाठ, सांयकाल 5-30 बजे मुकुट पूजन एवं अर्पण कार्यक्रम होंगे। तत्पश्चात आरती एवं प्रसाद - वितरण व भंडारा कार्यक्रम होंगे। प्रेसवार्ता में जी0के0 शर्मा अध्यक्ष, एमपी सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयसिंह चौहान महामंत्री अजय शर्मा कोषाध्यक्ष रवींद्र वंसल उपाध्यक्ष अरविन्द चौहान सचिव विवेक सक्सेना सचिव गिरीश चंद्र उप्रेती लेखा परीक्षक राजेन्द्र गंगवार उप व्यवस्था प्रमुख सोमपाल शर्मा उप व्यवस्था प्रमुख रघुवीर शर्मा प्रमोद अग्रवाल उपाध्यक्ष एन सी शर्मा सांस्कृतिक सचिव अशोक टण्डन उप कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे।

मां बेटे की ट्रेन से कटकर हुई दर्दनाक मौत

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

फरीदपुर बरेली। तहसील क्षेत्र के गांव तरा खास निवासी एक 20 वर्षीय महिला व उसके डेढ़ वर्षीय पुत्र की द्वारकेश शुगर मिल के रेलवे फाटक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर मां पुत्र की ट्रेन से कट कर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसका पति उसे बचाने के चक्कर में बाल बाल बच गया। गांव तरा खास निवासी अंगूरी देवी पत्नी भूपेंद्र उम्र 20 वर्ष सुबह समय लगभग 10-00 अपने गांव से अपने पति भूपेंद्र डेढ़ वर्षीय पुत्र अजय को साथ लेकर फरीदपुर की तरफ आ रही थी द्वारकेश चीनी मिल के समीप रेलवे फाटक पर रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर डेढ़ वर्षीय पुत्र अजय व उसकी मां अंगूरी देवी की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत हो गई जबकि अपनी पत्नी पुत्र को बचाने के चक्कर में भूपेंद्र भी बाल बाल बच गया। वहीं मृतक अंगूरी देवी की बड़ी बहन रेखा ने उसके पति पर उसकी बहन को ट्रेन के आगे धक्का देकर मारने का आरोप लगाया है। भूपेंद्र की लगभग 3 वर्ष पूर्व करनपुर कला निवासी ओमप्रकाश की पुत्री अंगूरी देवी के साथ शादी हुई थी उसकी एक पुत्री भी थी जिसकी पहले ही मौत हो चुकी है। भूपेंद्र के माता-पिता की भी मौत हो चुकी है परिवार मैं मात्र भूपेंद्र उसकी पत्नी मृतक अंगूरी देवी व डेढ वर्ष का पुत्र अजय ही था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मां बेटे के शवो का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया। वही मृतक अंगूरी देवी की बड़ी बहन रेखा का आरोप है कि भूपेंद्र उसकी बहन को प्रताड़ित करता था उसी के चलते उसने उसे ट्रेन के आगे धक्का दे दिया जिससे उसकी ट्रेन से कट कर मौत हो गई और वह मौके से फरार हो गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने किया इंजन चोरी का खुलासा, दो चोर गिरफ्तार , दो फरार

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के ग्राम टिसुआ में हुई इंजन चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरी किए गए इंजन को बरामद कर लिया गया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस टीम ने उचसिया मोड़ से लगभग 80 मीटर की दूरी पर छानबीन के दौरान टिसुआ गांव के रहने वाले दो युवकों - नईम पुत्र फखरुद्दीन (21 वर्ष) और अमन पुत्र राजू (20 वर्ष) को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के पास से चोरी किया गया इंजन बरामद हुआ है। अभियुक्तों के खिलाफ थाना फतेहगंज पूर्वी में पहले से ही अभियोग पंजीकृत था, जिसकी धाराओं में अब धारा 317 (2) बीएनएस की भी बढ़ोतरी की गई है। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने दो अन्य साथियों शिबू पुत्र खुशी मोहम्मद और आजिद पुत्र राशिद के साथ मिलकर टिसुआ गांव में रहने वाले गुड्डू के खेत से इंजन चोरी किया था। इंजन को एक मोटरसाइकिल वाली ठिलिया में रखकर बेचने की योजना थी, लेकिन रास्ते में उचसिया मोड़ के पास पेट्रोल खत्म हो जाने के कारण वे इंजन समेत ठिलिया को वहीं खड़ा कर गए। उसी दौरान पुलिस को सूचना मिली और कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को दबोच लिया गया, जबकि शिबू और आजिद मौके से फरार हो गए।

डिजिटल मॉडल परवाह ने रचा कीर्तिमान, एक करोड़ लोगों ने सराहा

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली - मुख्यमंत्री योगी और शासन की मंशा के अनुरूप चलाया गया बरेली जोन पुलिस का परवाह अभियान जन आंदोलन बन रहा है। देश भर में करीब 100 लाख लोग अब तक इस अभियान से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ चुके हैं। एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा के निर्देश पर जोन में 19 अप्रैल से 19 मई 2025 तक डिजिटल सड़क सुरक्षा अभियान परवाह ने रिकॉर्ड सफलता अर्जित की है। इस अभियान का उद्देश्य आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था। बरेली जोन की 11 सोशल मीडिया टीम की सहभागिता से चलाए गए एक महीने के अभियान ने डिजिटल माध्यम से सड़क सुरक्षा को लेकर नई लहर पैदा की। बरेली जोन की पुलिस ने अभियान को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया है। एक्स और फेसबुक जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया गया। इस अभियान में बरेली जोन के सभी नौ जिले बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा, संभल और बिजनौर के साथ दो ट्रैफिक पुलिस टीम (बरेली व मुरादाबाद) भी शामिल रहीं।

नेपाल ए.पी.एफ. एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ एस. एस. बी की संयुक्त समन्वय बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के सी समवाय सुइया में संयुक्त समन्वय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एस. एस. बी सहायक कमांडेंट राजकुमार, 30वीं वाहिनी ए. पी. एफ नेपाल के पुलिस अधीक्षक शोभा कांत खनल, निरीक्षक सुशील के.सी (बी.ओ.पी कटकुइयां, नेपाल) तथा उत्तर प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षक रविन्द्र यादव उपस्थित रहे । बैठक के दौरान भारत-नेपाल सीमा से जुड़े विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ । बैठक में भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की गई । आवाजाही वाले रास्तो पर अत्यधिक निगरानी बरतने, सीमा स्तंभों की सुरक्षा और सार्वभौमिकता को बनाए रखने पर जोर दिया गया । इसके अतिरिक्त, सीमा पार से होने वाले अवैध व्यापार, मानव तस्करी, नशीले पदार्थों की तस्करी तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए समन्वित प्रयासों पर रणनीति बनाई । संबंधित एजेंसियों के बीच समय पर आसूचना के आदान-प्रदान को भी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया ।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सीमा क्षेत्र में शांति, सौहार्द और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय जनता के साथ बेहतर तालमेल स्थापित किया जाएगा ।

क्लर्क को ट्रांसफर पर रिलीव न करने में घिरीं कृषि अधिकारी, जांच शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। 20 साल बाद शासन से बमुश्किल ट्रांसफर होने के बाद एक साल से बाबू अमित कुमार वर्मा को अपने कार्यालय से रिलीव न करने के मामले में जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी घिर गई हैं। किसानों की शिकायत मिलने के बाद निवर्तमान भाजपा कृषि को इस मामले में पत्र लिख कर कार्रवाई की संस्तुति कृषि अधिकारी कार्यालय के बाबू अमित कुमार वर्मा बीते निदेशालय ने उनका तबादला कृषि रक्षा विभाग में कर दिया एक साल बाद भी बाबू को अपने कार्यालय से रिलीव नहीं व्यक्ति कर ही नहीं सकता। मगर, बाबू को रिलीव न करने प्रति माह होने वाली मोटी अवैध है। इसके अलावा किसानों और ढेंचा का बीज प्रदर्शनी लगाकर किसानों नहीं दिया के उझानी और बिसौली कस्बे में दुकानदारों को खुले बाजार से होने वाले हिस्सा बांट के परसेंटेज की डील भी बाबू के प्रभारियों की जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी के साथ विधायक राजेश कुमार मिश्रा पप्पू भरतौल की तरफ से प्रमुख सचिव की गई थी। इसके बाद इस मामले की जांच शुरू हो गई है। जिला 20 साल से एक ही पटल पर जमें हैं। 29 जून 2024 को कृषि था। मगर, जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने तबादला होने के किया। उसकी वजह यह बताई गई कि बाबू का काम दूसरा कोई की वजह खाद-बीज की दुकानों के अलावा गैर लाइसेंसी दुकानों से को मुफ्त बांटने के लिए शासन से मिलने वाली मिनी किट, मक्का गया। कृषि बीज गोदाम प्रभारियों ने यह बीज और मिनी किट बदायूं में बेच दिया। सूत्रों का कहना है कि गोदाम इंचार्जों से इसकी कमाई द्वारा ही की गई। यह मामला तब और सुर्खियों में आया, जब गोदाम गोपनीय मीटिंग के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उसमें गोदाम प्रभारियों से यह कहा गया था कि खाद-बीज की खुले बाजार में बेचने की बातें लीक कैसे हुईं। गोदाम प्रभारियों को इसके लिए जिला कृषि अधिकारी की डांट भी खानी पड़ी।

क्लर्क को ट्रांसफर पर रिलीव न करने में घिरीं कृषि अधिकारी, जांच शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। 20 साल बाद शासन से बमुश्किल ट्रांसफर होने के बाद एक साल से बाबू अमित कुमार वर्मा को अपने कार्यालय से रिलीव न करने के मामले में जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी घिर गई हैं। किसानों की शिकायत मिलने के बाद निवर्तमान भाजपा विधायक राजेश कुमार मिश्रा पप्पू भरतौल की तरफ से प्रमुख सचिव कृषि को इस मामले में पत्र लिख कर कार्रवाई की संस्तुति की गई थी। इसके बाद इस मामले की जांच शुरू हो गई है। जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के बाबू अमित कुमार वर्मा बीते 20 साल से एक ही पटल पर जमें हैं। 29 जून 2024 को कृषि निदेशालय ने उनका तबादला कृषि रक्षा विभाग में कर दिया था। मगर, जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने तबादला होने के एक साल बाद भी बाबू को अपने कार्यालय से रिलीव नहीं किया। उसकी वजह यह बताई गई कि बाबू का काम दूसरा कोई व्यक्ति कर ही नहीं सकता। मगर, बाबू को रिलीव न करने की वजह खाद-बीज की दुकानों के अलावा गैर लाइसेंसी दुकानों से प्रति माह होने वाली मोटी अवैध है। इसके अलावा किसानों को मुफ्त बांटने के लिए शासन से मिलने वाली मिनी किट, मक्का और ढेंचा का बीज प्रदर्शनी लगाकर किसानों नहीं दिया गया। कृषि बीज गोदाम प्रभारियों ने यह बीज और मिनी किट बदायूं के उझानी और बिसौली कस्बे में दुकानदारों को खुले बाजार में बेच दिया। सूत्रों का कहना है कि गोदाम इंचार्जों से इसकी कमाई से होने वाले हिस्सा बांट के परसेंटेज की डील भी बाबू के द्वारा ही की गई। यह मामला तब और सुर्खियों में आया, जब गोदाम प्रभारियों की जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी के साथ गोपनीय मीटिंग के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उसमें गोदाम प्रभारियों से यह कहा गया था कि खाद-बीज की खुले बाजार में बेचने की बातें लीक कैसे हुईं। गोदाम प्रभारियों को इसके लिए जिला कृषि अधिकारी की डांट भी खानी पड़ी।

बालू लदा ट्रक पलटने से महिला की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बदला-बरदेहरा मार्ग पर धूम बोझी गांव के निकट दोपहर एक बालू से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसकी चपेट में आने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। भिनगा नगर पालिका निवासी शमीम की पत्नी कमरुल निशा (40) अपने पुत्र तौहीद (8) और दामाद के भाई सुफियान (20) के साथ गिरंट बाजार जा रही थीं। तीनों लोग बाइक से यात्रा कर रहे थे। जैसे ही वह मथुरा प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धूम बोझी के आ गए। मवेशियों को बचाने के प्रयास में बालू लदा तेज रफ्तार अनियंत्रित होकर बाइक सवारों को रौंदते हुए पलट गया। थाना प्रभारी सोनवा गणनाथ प्रसाद व चौकी प्रभारी विवेक राठौर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जेसीबी मशीन से बालू हटवाकर ट्रक को सीधा किया गया। जब तक बचाव कार्य पूरा होता। कमरुल निशा की मौत हो चुकी थी। वहीं सुफियान और तौहीद गंभीर रूप से घायल पाए गए। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया। जहां उनकी हालत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

डीएम ने किया पेयजल योजना नगरीय के कार्यों का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

आज जिलाधिकारी अवनीश राय ने सोमवार को पेयजल योजना नगरीय अंतर्गत पेयजल पुनर्गठन योजना के कार्यों का बदायूं व उझानी में निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए व निर्देशित किया कि जो भी कार्य हो उसमें गुणवत्ता का कराया जाए ताकि आमजन को शुद्ध व स्वच्छ जल उपलब्ध तथा उझानी में काशीराम कॉलोनी के नजदीक कराए जा रहे घरों में कराए जा रहे पानी के कनेक्शन व ओवरहेड टैंक के कार्यों, हाइड्रो टेस्टिंग के कार्यों, रोड रेस्टोरेशन के कार्यों का पाइप लाइन बिछाने के लिए किए सड़क पर किए गड्ढों को कि पेयजल पुनर्गठन योजना अंतर्गत जल निगम नगरीय कराए जा रहे हैं, जिसमें तीन ओवरहेड टैंक का निर्माण है, इस कार्य से पाइप पेयजल योजना से छूटे हुए 10524 का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में लगभग 71 प्रतिशत कार्य विशेष ध्यान रखा जाए तथा निर्धारित समय सीमा अन्तर्गत कार्यों को पूर्ण हो। जिलाधिकारी अवनीश राय ने बदायूं नगर के जलकल कैंपस के पास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बदायूँ नगर में कोलतार से बने रोड, कार्यों का भी निरीक्षण किया। डीएम ने उझानी में ओवरहेड टैंक के तथा घरों में कराई जा रहे पानी के कनेक्शन को भी चेक किया। डीएम ने ठीक प्रकार से भरा गया है अथवा नहीं, यह भी चेक किया। उल्लेखनीय है द्वारा बदायूं में 41 करोड़ 73 लाख रुपए की अनुबंधित लागत से कार्य कराया जा रहा है तथा 90.77 किलोमीटर की पाइपलाइन बिछाई जा रही घरों में पानी पहुंचाया जाएगा। इस कार्य को दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने पूर्ण भी हो चुका है। वही उझानी में 30 करोड़ 27 लाख रुपए की अनुबंधित लागत से जल निगम नगरीय द्वारा कार्य कराए जा रहे हैं, जिसमें दो ओवरहेड टैंक का निर्माण कराया जा रहा है। 81 किलोमीटर की पाइपलाइन शहर में बिछाई जा रही है, इस कार्य से पाइप पेयजल योजना से छूटे हुए 14295 घरों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा सकेगी। इस कार्य को मार्च 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है तथा वर्तमान में लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण भी कर लिया गया है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अधिशासी अभियंता जल निगम नगरीय कपिल सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

किसानों के खेत पर पहुँची कृषि वैज्ञानिकों की टीम, समस्याओं का किया मौके पर ही समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच

आज शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में 29 मई 2025 से आरम्भ होकर 12 जून 2025 के मध्य विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रमों में सोमवार को जनपद के विकास खण्ड-दातागंज के 9 ग्रामों कुनिया काजी खेड़ा, नगरिया खनू, केशोपुर कलां एवं जिसमें कृषि विभाग के कर्मचारी कृषि विज्ञान केन्द्र से आये वैज्ञानिकों द्वारा सरकार की मंशा अनुरूप समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कृषकों की मत्स्य, उद्यान, गन्ना आदि विभागों द्वारा चलाई जा कराया गया। विकास खण्ड दातागंज के गाम किसनी नोडल अधिकारी डॉ0 राजेश कुमार संयुक्त कृषि सहभागिता की गई। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक थे आई0वी0आर0आई के वैज्ञानिक रंजित सिंह, निदेशक, दुर्गेश कुमार जिला कृषि अधिकारी द्वारा द्वारा विभाग में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं कुमार द्वारा प्राकृतिक खेती हेतु बीजामृत, जीवामृत, से अवगत कराया जिला कृषि अधिकारी द्वारा नैनो आदि के विषय में विस्तार जानकारी प्रदान की। प्रतिभाग कर रहे गाम प्रधान, समस्त कृषकों का

रायपुर, रयपुरा, धनीपटटी, सैजनी, किशनी मेहरा, शाहजहाँपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया, के वैज्ञानिक तथा आई0वी0आर0आई0 बरेली किसान के द्वार पहुँचकर कृषकों की खेती सम्बन्धी जिज्ञासाओं का समाधान तथा कृषि, पशुपालन, रही योजनाओं के विषय में कृषकों को अवगत मेहरा एवं शहजहाँपुर में प्रदेश सरकार द्वारा नामित निदेशक बरेली मण्डल बरेली द्वारा कार्यक्रम में पंकज कुमार मेघवाल, टंकित कुमार उपस्थित वीर सिंह उपस्थित थे। मनोज कुमार उप कृषि भी कार्यक्रम में सहभागिता की गई। राजेश कुमार के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। मनोज घनजीवामृत, दसपर्णी अर्क के विषय में विस्तार यूरिया तथा नैनो डी0ए0पी0, फार्मर रजिस्ट्री अंत में उप कृषि निदेशक द्वारा कार्यक्रम में आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम की सफलता हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के कार्मिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम उपरान्त संयुक्त कृषि निदेशक द्वारा ग्राम शाहजहाँपुर विकास खण्ड दातागंज में कृषक बाबूराम पुत्र अभिलाख के खेत में जायद सीजन में वोई गयी मक्का फसल की मढ़ाई के कार्य का टीम सहित अवलोकन किया जिसमें कृषक द्वारा 2.5 बीघा खेत में वोई गयी मक्का फसल में अनुमानित उत्पादन 15 कु0 तक बताया गया, जिसकी संयुक्त कृषि निदेशक द्वारा प्रंशसा की गई ।

पिता बना हैवान...दामाद के साथ मिलकर अपनी ही शादीशुदा बेटी का कर दिया कत्ल, वजह जान रह जाएंगे सन्न

आगरा में रिश्तों के कत्ल की खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां एक पिता ने दामाद के साथ मिलकर अपनी ही बेटी का कत्ल कर दिया। इसके बाद वो खुद थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने जांच शुरू की।राजस्थान के पति और देवर ने विवाहिता की पीट-बाद शव को बाइक से खेरागढ़ के गांव की बड़ी बहन ने पिता, मृतका के पति धौलपुर में केस दर्ज कराया है। गांव सड़क किनारे करीब 25 वर्षीय युवती जिसकी शिनाख्त उसके पिता कोमल थाने पहुंचकर बेटी सुनीता निवासी खेरागढ़ पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने की रात करीब 11 बजे मृतका की बहन पिता कोमल सिंह, सुनीता के पति पवन आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया। सुनीता और उसकी दो बड़ी बहनों की थी। एक बड़ी बहन पूजा ने पति से ली है। सुनीता की अपने पति पवन से सुनीता को अपने साथ लखनऊ ले जा झगड़ा हो गया। सुनीता आगरा में बड़ी

विवाहिता की बहन की शिकायत पर सीमावर्ती गांव नवाब बसई में पिता, पीट कर हत्या कर दी। वारदात के भोपुर के समीप फेंक दिया था। मृतका और देवर के खिलाफ थाना कोलारी, भोपुर के समीप शनिवार की सुबह का खून से लथपथ शव मिला था। सिंह निवासी नवाब बसई ने खेरागढ़ सालेहनगर, बरबर के रूप में की थी। के प्रयास में लगी थी। तभी शनिवार पूजा ने थाना कोलारी पहुंचकर अपने और देवर जल सिंह पर हत्या का थानाध्यक्ष कोलारी ने बताया कि मृतका शादी गांव सालेहनगर बरबर में हुई तलाक लेकर दूसरी जगह शादी कर अनबन रहती थी। 24 मई को पति रहा था, तभी कैंट स्टेशन पर दोनों में बहन पूजा के यहां चली गई। 30 मई शनिवार को पूजा सुनीता को नवाब बसई पिता के घर छोड़ गई।बताया गया है कि रात में नवाब बसई पहुंचे सुनीता के पति पवन और देवर जल सिंह ने ससुर कोमल सिंह के साथ मिलकर सुनीता की बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद गले में फंदा डालकर उसकी हत्या कर दी। शव को बाइक से खेरागढ़ क्षेत्र में फेंक दिया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड सहित मृतका के घर जांचकर साक्ष्य एकत्रित किए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।सुनीता पति को नहीं करती थी पसंद पुलिस के मुताबिक पति पवन से सुनीता का आए दिन झगड़ा होता रहता था। जांच में पुलिस को पता चला कि सुनीता पति को पसंद नहीं करती थी। वह किसी और से शादी करना चाहती थी। पिता कोमल सिंह और पति दोनों ही इसे लेकर सुनीता से नाराज थे।खेरागढ़ पुलिस ने केस कोलारी पुलिस को ट्रांसफर किया एसीपी खेरागढ़ इमरान अहमद ने बताया की मृतका के शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। उसकी बड़ी बहन ने कोलारी. धौलपुर थाने पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आगे की कार्रवाई कोलारी पुलिस करेगी। केस कोलारी थाने को ट्रांसफर कर दिया गया है।पिता ने शनिवार चौकी पर दी थी गुमशुदगी की सूचना पुलिस के मुताबिक रात को सुनीता की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के बाद गांव में लोगों को शक न हो। इसके लिए पिता कोमल सिंह शनिवार की सुबह नवाब बसई पुलिस चौकी पर बेटी सुनीता के लापता होने की सूचना देने पहुंचा था। जहां पुलिस ने उसको खेरागढ़ में युवती का शव मिलने की जानकारी दी। जिसके बाद दोपहर खेरागढ़ थाना पहुंच शव की शिनाख्त की।

दर्दनाक हादसा...शीतगृह स्वामी की बेटी की जिस तरह हुई मौत, कांप जाएगा कलेजा; सीसीटीवी आया सामने

आगरा में शीतगृह स्वामी की बेटी की मौत का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। दयालबाग मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने उसे रौंद दिया। छोटी बहन मदद मांगती रही। पुलिस ने उसे अस्पताल

पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।आगरा के दयालबाग मार्ग पर शुक्रवार रात को ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से शीतगृह स्वामी की 16 वर्षीय बेटी सिद्धि उर्फ नव्या की जान चली गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिस जगह घटना हुई, वहां सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। पुलिस को आशंका है कि तेज गति से ट्रैक्टर ट्राली के आने के दौरान निर्माणाधीन सड़क पर स्कूटर गिरने की वजह से हादसा हुआ।घटना शुक्रवार रात 1:30 बजे की है। गंगे गौरी बाग, बल्केश्वर निवासी दिलीप अग्रवाल के हाथरस मार्ग पर शीतगृह हैं। बेटी सिद्धि उर्फ नव्या अग्रवाल ने दसवीं की परीक्षा पास की थी। घटना वाले दिन वह स्कूटर से अपनी छोटी बहन के साथ घर की तरफ जा रही थीं। दयालबाग-पोइया घाट मार्ग पर श्रीराम फार्म हाउस के पास एक ट्रैक्टर ट्राली ने दोनों बहनों को चपेट में ले लिया। नव्या ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। उसकी मौके पर ही जान चली गई।राहगीर ने बुलाई थी पुलिस घटना के बाद का वीडियो और सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में एक युवक मृतका की छोटी बहन से बात कर रहा है। वह मदद मांग रही है। वह रोते हुए कह रही है कि ट्रैक्टर वाला कुचल गया। अपने पिता को फोन लगाने की कह रही है। राहगीर ने ही 112 पर काल करके बुलाया। पुलिस नव्या को अस्पताल ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। फार्म हाउस से आगे निकलते ही हादसा डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि घटनास्थल के पास मैरिज होम के बाहर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। एक में नजर आया कि एक ट्रैक्टर पोइया घाट की तरफ से न्यू आगरा की तरफ जा रहा है। फार्म हाउस से आगे निकलते ही हादसा होता है। इसके बाद स्कूटर सवार दोनों बहन सड़क पर गिरी हुई नजर आ रही हैं। जिस जगह पर हादसा हुआ, वहां पर दोनों तरफ सड़क का निर्माण चल रहा है। इसके लिए गिट्टी डाली गई हैं। मगर, कोई संकेतक नहीं लगाया गया है। तेजगति से आती ट्रैक्टर ट्राली की वजह से हादसा होता है। सड़क पर गिट्टी होने की वजह से दोनों बहनें गिरती हैं। एक सड़क से दूसरी तरफ गिरने की वजह से बच जाती है। परिजन जो भी तहरीर देंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रैक्टर ट्राली की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पिता दिलीप और मां खुशबू के आंसू नहीं रुक रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच- भूपेंद्र तिवारी

बहराइच / पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/

प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

महिला का गुमशुदा बैग महज 02 घण्टे में बरामदग कर किया गया सुपुर्द

क्यूँ न लिखूँ सच- भूपेंद्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच , अपर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय , क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक को0 नगर जनपद बहराइच के निर्देशन में

चलाये जा रहे ई -रिक्सा सत्यापन के दौरान आज दिनांक 02.06.2025 को प्रार्थिनी श्रीमती सायरा पत्नी उरसान निवासी जैतापुर थाना बौण्डी जनपद बहराइच से ई-रिक्शा से अपने रिस्तेदार जरवल कस्बा में जाने के लिये निकली थी, तिकोनी बाग चौराहे पर सवारी वाहन बदलने के लिये उतरी जहाँ पर प्रार्थिनी ने अपना बैग ई-रिक्शा (सत्यापन नं0 247) में भूल गयी, जिसकी सूचना थाना को0 नगर पर प्रार्थिनी द्वारा दिया गया । जिस पर दिवसाधिकारी उ0नि0 श्री अरविन्द वर्मा द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुये मय हमराह म0उ0नि0 विभा दूबे व सुग्रीव यादव के साथ से ई-रिक्शा का सत्यापन नं0 के सहयोग से महज 02 घण्टे के अन्दर वाहन स्वामी व चालक का पता लगाते हुये । प्रार्थिनी का बैग बरामद कर मौके पर सुपुर्द किया गया ।

02 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच- भूपेंद्र तिवारी

बहराइच / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

धूमधाम से चल रही थी शादी की रस्में, फेरे के समय अचानक दूल्हे की हरकत से नराज हुए घराती, शादी से किया इनकार

शादी के लिए धूमधाम से बरात लड़की वालों के घर पहुंची। लोगों ने स्वागत भी अच्छे से किया। इसके बाद द्वारचार और जयमाला की रस्में भी हुईं। फेरे के दौरान दूल्हा बदलने का आरोप लगाकर लड़की पक्ष ने शादी से इनकार कर दिया। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां गोपीगंज कोतवाली के अमवा गांव की यादव बस्ती में आई बारात में दूल्हे के पैर में कमी बताकर शादी से इनकार कर दिया गया। इतना ही नहीं लड़की पक्ष ने दूल्हे को भाई समेत बंधक बना लिया। आरोप है कि दोनों की पिटाई भी की गई। सुबह पुलिस पहुंची और समझा- बुझाकर दोनों पक्षों के बीच सुलह कराया। लड़की पक्ष ने लड़का पक्ष से गहना और 30 हजार नकद भी लिया।ये है पूरा मामला ज्ञानपुर के उमरपुर सुंदरपुर से रविवार को गाजे बाजे के साथ बरात अमवा गांव पहुंची। द्वारचार के बाद जयमाल की रस्म अदा की गई। घरातियों ने बरातियों का धूमधाम से स्वागत किया। देर रात विवाह के समय फेरे लेते समय दूल्हे अखिलेश के पैर में कमी बताते हुए लड़की पक्ष ने शादी से इनकार कर दिया। आरोप लगाया कि दूल्हा बदल दिया गया है, जो लड़का शादी के लिए दिखाया गया था। वह लड़का नहीं है। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट हो गया। लड़के के पिता शोभनाथ यादव ने आरोप लगाया कि घराती पक्ष के लोगों ने मारपीट की और जबरन गहने और नकदी ले लिए।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
03 June 2025

मॉब लिंचिंग के खिलाफ, इलाहबाद जन कल्याण समिति ने ज्ञापन दिया

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज में जिला अधिकारी द्वारा राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन सौंपा। पूरे भारत में मुसलमानों पर हो रही मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर प्रतिबंध लगाने तथा इसके विरुद्ध सख्त कानून बनाने के लिए ज्ञापन ।हम, भारत के जागरूक नागरिक, आपके समक्ष अत्यंत पीड़ा और चिंता के साथ यह ज्ञापन प्रस्तुत कर रहे हैं। वर्तमान समय में देश के विभिन्न हिस्सों से

लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं जिनमें विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय के लोगों को मॉब लिंचिंग (भीड़ द्वारा मारपीट और हत्या) का शिकार बनाया जा रहा है। इस प्रकार की घटनाएं न केवल हमारे संविधान में निहित समानता और धर्मनिरपेक्षता जैसे मूल अधिकारों का उल्लंघन हैं, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और भाईचारे की भावना को भी ठेस पहुँचाती हैं। इलाहबाद जन कल्याण समिति के अध्यक्ष ने मोहम्मद हन्जला ने यह माँग किया 1. मॉब लिंचिंग पर राष्ट्रीय स्तर पर एक कठोर और विशिष्ट कानून बनाया जाए, जिसमें सजा का स्पष्ट प्रावधान हो। 2. पीड़ितों को त्वरित न्याय और मुआवजा देने हेतु एक विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत की व्यवस्था की जाए। 3. अपराधियों और उनको समर्थन देने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, चाहे वे किसी भी स्तर पर हों। 4. प्रत्येक राज्य में मॉब लिंचिंग की निगरानी हेतु एक स्वतंत्र प्रकोष्ठ गठित किया जाए। 5. इस विषय पर एक राष्ट्रीय जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि समाज में भाईचारा और सद्भावना को बढ़ावा मिले। ज्ञापन मुख्य रूप से ज़फर अली एडवोकेट उच्च न्यायालय गवर्निंग काउंसिल प्रत्याशी परशुराम चौहान. सैयद हुसैन अब्बास रिजवी. एडवोकेट अबरार हुसैन. हसनैन अली एडवोकेट.. मोहम्मद मुस्तकीम. मोहम्मद यूनुस रियाज. आशीष पाल एडवोकेट. मुमताज अहमद अधिवक्ता संघ कार्यकारिणी सदस्य. मोहम्मद फरीद एडवोकेट. मोहम्मद नफीस एडवोकेट

14 दिन से लापता कबाड़ा व्यपारी का पता न चलने पर परिजनों ने जाम लगा किया

क्यूँ न लिखूँ सच-श्याम जी कश्यप

फार्रुखाबाद - 14 दिन से लापता कबाड़ा व्यपारी का पता न चलने पर परिजनों ने जाम लगा किया हंगामा पुलिस पर लगाये आरोप लापता सुनील के भाई बॉबी का कहना है कि यकूतगंज चौकी प्रभारी राहुल सिंह आरोपियों से मिले हुए नामजद मुकदमा दर्ज कराने के बाद भी पुलिस नहीं कर रही है गिरफ्तार दरोगा राहुल आरोपियों को देता है भगा यकूतगंज निवासी सुनील कबाड़ी का

करता था काम उसने एक तराजू मलिक को बेची थी तराजू मालिक जब पता करने आया तो सुनील कबाड़ी ने बता दिया था कि उसने एक तराजू मलिक को बेची है लापता सुनील के भाई बॉबी का कहना कि 19 मई को मलिक ,सोरीस,खालिद उसके भाई को पकड़ कर ले गए उसके साथ मारपीट मारपीट कर हत्या कर दी है 14 दिन बीतने के बाद भी पुलिस नहीं कर रही आरोपियों को गिरफ्तार लापता युवक सुनील के भाई ने कहा दो दिन के अंदर भाई का पता नहीं चला तो लगाएंगे जाम पुलिस पर लगाये पैसे लेने का आरोप पुलिस नहीं कर सकी अव तक बरामद न आरोपियों को किया गिरफ्तार मामला कोतवाली फतेहगढ़ के यकूतगंज का

श्रीमद् भागवत कथा के छटे दिन श्री गोवर्धन लीलाओं का कंस वध लीलाओं ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

क्यूँ न लिखूँ सच- लवकुश ठाकुर

अलीगढ़/अकराबाद - ग्राम नगला तुलाराम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छटे दिन भगवान श्री गोवर्धन पूजा बड़े धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और जैसे ही श्री गोवर्धन पूजा की कथा शुरू हुई, पूरा वातावरण नंद के आनं कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। भागवताचार्य ओमप्रकाश शास्त्री जी एवं योगेश शास्त्री जी (ग्राम पुठिया, जिला एटा) ने भगवान श्री गोवर्धन की लीलाओं का सुंदर और भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान श्री गोवर्धन महाराज व कंस वध एवं भजन-कीर्तन के साथ भक्तगण झूमते नजर आए। श्री गोवर्धन लीला कंस वध के अवसर पर भव्य पूजन, आरती व गोवर्धन

लीलाओं का वर्णन किया सुभाष जिला अध्यक्ष अमित जादौन ने गोवर्धन पूजा की साथ ही व्यास गद्दी पर योगेश कुमार शास्त्री जी का ?1100 की माला सभी कथावाचकों को पटका पहनाकर स्वागत किया साथ ही शलराज सिंह 5100 देकर श्रीमद् भागवत कथा में भागवत आचार्य व ग्रामीणों का उत्साह वर्धन किया एवं प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में परीक्षित महाराज ओमपाल सिंह, सुधा देवी, यज्ञपति सुभाषपा, जिला अध्यक्ष अमित जादौन व उनकी धर्मपत्नी चेतन देवी ने विशेष रूप से भाग लिया। इस पावन अवसर पर महिला जिला अध्यक्ष अलका शर्मा, राजेंद्र दादा, हरपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह, डॉ. रिकू सिंह, सुखवीर सिंह, नेपाल माहौर, असमेश सिंह, नागेंद्र सिंह, बंटू सिंह, अंशुल कुमार, रेनू मेठ, रेनू सिंह, चेतन सिंह, शशि देवी सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे कथा के समापन पर सभी ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया और आयोजन की सराहना की।

चौक चौराहे पर अतिक्रमण कर लगाए जा रहे ट्रांसफार्मर को हटाने के लिए ऑपरेशन ट्रांसफार्मर चलाया

क्यूँ न लिखूँ सच-श्याम जी कश्यप

फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- नगर उद्योग व्यापार मंडल फर्रुखाबाद मिश्रा गुट द्वारा आपरेशन सिंदूर की तर्ज पर चौक चौराहे पर अतिक्रमण कर लगाए जा रहे ट्रांसफार्मर को हटाने के लिए ऑपरेशन ट्रांसफार्मर चलाया था जिसके विरोध में नगर उद्योग नगर युवा व जिला महिला नगर महिला उद्योग व्यापार मंडल ने कल 3 जून को चौक चौराहे पर धरना देने का एलान किया था जिसमे आज दिनांक 2 जून को नगर पालिका के ई ओ साहब नगर अधिशासी अभियंता चौक फीडर के जे ई साहब ने एक

रेस्टोरेंट में व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष हाजी मो0 इख़लाक़ खान नगर महामंत्री राकेश सक्सेना नगर युवा अध्यक्ष व युवा प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव नगर संरक्षक आनन्द प्रकाश मुन्ना गुप्ता जिला महिला अध्यक्ष सोनी शुक्ला नगर महिला महामंत्री नेहा मिश्रा नगर युवा महामंत्री रोहन कश्यप राजा को बुलाकर बैठक की जिसमे सभी ने एक सुर में कहा पहले चौक चौराहे से अतिक्रमण हटाए बाद में दूसरी बात होगी सभी अधिकारियों ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बात को सुनते हुए अपने साथ ले लेवरो से बनाया गया फाउंडेशन को तोड़ना शुरू कर दिया यह व्यापार मंडल की जीत है व्यापारियों की जीत है हमारे संगठन की एकता की जीत है आज स्वर्गीय राजेश रस्तोगी जिनकी दुकान को अतिक्रमण का नाम देकर प्रशासन द्वारा तोड़ा गया उनके परिवार की जीत है आज स्वर्गीय राजेश रस्तोगी की आत्मा को शांति मिलेगी उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी आज आपरेशन सिंदूर की तरह आपरेशन ट्रांसफार्मर भी सफल हुआ सभी व्यापार मंडल के गुटो द्वारा व किसान यूनियन द्वारा व मानवाधिकार एवम अन्य संगठनों द्वारा जो व्यापार मंडल को समर्थन करने का कहा था उन सभी का नगर नगर युवा जिला महिला व नगर महिला उद्योग व्यापार मंडल ह्रदय से आभार व धन्यवाद देते है आज व्यापार मंडल की विजय के साथ नगर के सभी व्यापारियों की विजय है सभी नगर से सम्बद्ध छेत्रिय संगठन की विजय है पंडित श्याम बिहारी मिश्रा अमर रहे श्री मुकुंद मिश्रा ज़िंदाबाद श्री राजेन्द्र गुप्ता श्री दिलीप सेठ श्री सुनील पांडेय श्री जीतू सोनी ज़िंदाबाद व्यापारी एकता ज़िंदाबाद

उपजा संगठन द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली उपजा के उत्तर प्रदेश सचिव गौरव कुमार के निर्देश पर जिला शामली उपजा संगठन के तत्वाधान में रेलपार में स्थित प्रवीण निर्वाल के आवास पर शौकीन सिद्दीकी की अध्यक्षता में व अरविंद कौशिक के संचालन में हिंदी पत्रकारिता दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया जिसके मुख्य अतिथि अजय बावरा रहे इस अवसर पर राष्ट्र के सजग प्रहरी पत्रकारों को मल्यार्पणकर सम्मानित किया गया और उपजा के पदाधिकारयो द्वारा खबरें उत्तर प्रदेश समाचार पत्र में सहारनपुर मंडल प्रभारी बनने पर सूरज कौशिक को सम्मानित किया गया बैठक को संबोधित करते हुए अजीत श्रीवास्तव ने कहा पत्रकारिता समाज का आईना होता है जो समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का कार्य करता है चौधरी प्रवीण निर्वाल ने कहा संगठन में बड़ी ताकत होती है इसलिए पत्रकारों को एक दूसरे के प्रति समर्पित रहकर संगठित रहना चाहिए

पत्रकारों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कौशिक ने कहा पत्रकारिता व पित पत्रकारिता में अंतर होता है इसलिए पत्रकार को पत्रकारिता एक मिशन के रूप मे मानते हुये निष्पक्षता व जिम्मेदारी और जनहित के कार्यों पर खरा उतरना चाहिए। उन्होने कहा पत्रकारों को समाज और देशहित मे सर्वोपरि मानकर पत्रकारिता करने का संकल्प ले और पीडित व्यक्ति की आवाज मजबूती से उठाये जिससे उसे न्याय मिल सके आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार बंधुओं को पुष्पहार पहनाकर और उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शौकीन सिद्दीकी की कर्मनिष्ठा, संगठनात्मक योगदान और बेहतरीन नेतृत्व क्षमता को विशेष रूप से सराहा गया। रामकुमार व सुरज कौशिक ने कहा कि ईमानदार और निडर पत्रकारिता ही लोकतंत्र की असली ताकत है इस अवसर पर अरविन्द कौशिक मनोज पवार अनिल कौशिक अजित श्रीवास्तव परविण निरवाल शौकीन सिद्दीकी अजय बावरा सुमित कौशिक मनोज कालखण्डे सूरज कौशिक रामकुमार राकेश गोपाल भानुप्रताप उपाध्याय गौरव कुमार मसरूर अंसारी आदि उपस्थित रहे द्य

संक्षिप्त समाचार

उधार दिया रुपया मांगना युवक को पडा भारी

क्यूँ न लिखूँ सच-श्याम जी कश्यप

जनपद बहराइच के मटेरा थाना क्षेत्र के गौरा धनौली गांव में उधार दिया रुपया मांगना युवक को पडा भारी ।जब रुपए मांगने युवक उसके घर पहुंचा तो उसने मां बहन की गाली देते हुए लात घूसों से उसकी पिटाई कर दी। जिसमें गुरमीत कौर व उसके लड़के को चोट आई है। गुरमीत कौर ने बताया

कि उसी के गांव निवासी हरप्रीत सिंह को 10000 नकद उधर के रूप में दिया था। जिसको आज मांगने गए तो विपक्षी ने हम पर गाली गुस्ताली देना शुरू कर दिया। मना करने पर जान से मारने की धमकी दी और लात घूसों से पिटाई कर दी। पीड़ित ने बताइए कि उसका दूसरा लड़का अपनी दुकान पर बैठा था ।विपक्षी उसके दुकान पर जाकर उससे भी मारपीट करने लगे वह वीडियो बनाने लगा तो उसकी मोबाइल को तोड़ दिया जिसकी कीमत लगभग 35000 रुपए बताई जा रही है ।वहीं थाना प्रभारी मटेरा राजकुमार पांडे ने बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही है जल्द ही कार्यवाही की जाएगी।

संघ शिक्षा वर्ग केवल शारीरिक प्रशिक्षण नहीं यह राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला

क्यूँ न लिखूँ सच- रमाशंकर तोमर

देवेंद्र नगर पन्ना मध्य प्रदेश- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकौशल प्रांत द्वारा देवेंद्र नगर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य व्यवसायी) का भव्य समापन समारोह रविवार को रेनबो पब्लिक स्कूल परिसर में संपन्न हुआ। 17 में से प्रारंभ हुए इस 15 दिवसीय शिविर में महाकौशल क्षेत्र के विभिन्न जिलों से लगभग 156 स्वयंसेवक ने भाग लिया। समझ में संघ के मध्य क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक श्री प्रेमशंकर सिदार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा -संघ शिक्षा वर्ग केवल शारीरिक प्रशिक्षण नहीं, यह राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है, जहां तन , मां और विचार-तीनों को राष्ट्र सेवा के लिए तैयार किया जाता है। समारोह के मुख्य अतिथि सेवा निवृत प्राचार्य श्री राम किशोर अहिरवार ने संघ के शैक्षणिक, सामाजिक और राष्ट्रीय योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि-संघ युवाओं को एक सार्थक दिशा देता है, जहां वे अपने कर्तव्य के प्रति सजग होकर और राष्ट्र की सेवा में तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था जिला संघचालक श्री रुद्र प्रताप यादव और सर्वाधिकारी डॉ. अतुल सिंह के मार्गदर्शन में की गई थी। मंच संचालन, अतिथि सत्कार, अनुशासन और समयबद्धता-सभी में संघ की संगठन क्षमता परिलक्षित हुई। समापन अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा योग, समता प्रदर्शन, शाखा संचालन, गीत और गण अभ्यास की प्रभावशाली झलकिया प्रस्तुत की गई, जिन्हें देखकर अदिति वह दर्शकगण अभिभूत हुए।

व्यापार मंडल का गंगापार अध्यक्ष सुरेश चौरसिया की नियुक्त पर क्षेत्र में हष

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) प्रयागराज व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुशांत कुमार केसरवानी एंव चेयरमैन मनीष गुप्ता की संस्तुति पर संगठन की विस्तार करते हुए जिलाध्यक्ष गंगापार सुरेश चौरसिया को मनोनित किए जाने पर मऊआइमा क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है।तथा इस अवसर पर मऊआइमा व्यापार मंडल की बैठक में हर्ष व्यक्त करते हुए सुरेश चौरसिया को बधाई दी गई। बैठक में कहा गया कि इससे संगठन और मजबूत होगा। बैठक में मुदित खत्री, अशोक साहू, संजय साहू,रवि साहू नगर पंचायत सदस्य, प्रदीप कुमार केसरवानी सदस्य, अशोक कुमार विश्वकर्मा, रविन्द्र पटेल,पवन जायसवाल,शिव जी साहू,बनारसी साहू, शंकर लाल साहू, मुन्ना, उमैर जलाल, मोहम्मद वारिस,आदि ने बधाई दी है।

मऊआइमा में आठ दिनों तक विधुत आपूर्ति रहेगी बाधित

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा। 33 केवी लाइन दो अत्यंत जर्जर अवस्था में होने के कारण जर्जर एचटी कण्डक्टर एंव पोल को बदलने का कार्य आर डीएसएस योजना के अन्तर्गत विधुत आपूर्ति तीन जून को सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक 10 जून तक बाधित रहेगी। उक्त जानकारी अधिशासी अभियंता शशिभूषण ठाकुर ने दी है।

Now parents cannot give strange names to their children, government has imposed a ban

This decision of Japan can also start a debate in other countries about how much freedom should there be in naming children and where should a boundary line be drawn. A name is not just an identity, but also a medium of respect, understanding and communication in society. The trend of giving strange and unique names to children in Japan has now become a matter of concern for the government. Due to this, the Japanese government has issued a new order and banned 'Kirakira name' i.e. very different, bright and difficult to read and understand names. What is 'Kirakira name'? In Japanese language, 'Kirakira' means bright or extraordinary. In the last few years, parents have started choosing such names for their children which are generally completely different from traditional Japanese names. For example Nike, Pikachu, Pudding, etc. These names may sound attractive, but their pronunciation and meaning are sometimes confusing. Why did the government bring a new policy on names? The government says that if it is difficult to understand the pronunciation or meaning of a name, then it can be cancelled from the government records. Officials have now been given the right to decide whether a name is valid or not. The main objective of this step is to save children from social ridicule or discrimination. There should be clarity in government papers and records. There should be no confusion in the bureaucracy and the education system. Arguments for opposition and support People's opinion is divided on this decision. Those who oppose it argue that parents should have the freedom to name their children. Supporters say that strange and ridiculous names can cause embarrassment and mental distress for children in the future.

There is also a fight over who should talk first after a fight, know how to patch up

After a fight, instead of 'who should talk first', focus on 'I will end the fight'. Let's know how reconciliation can be done after a fight. It is common to have differences in any relationship, but a new fight often starts on who should talk first after a fight. Two people want to reconcile after a fight, but they also want the other person to talk first or convince them. However, when this does not happen, the differences increase. Both expect the other person to come and talk first. In this wait, reconciliation does not happen between them. In such a situation, it is important to keep the relationship above ego and patch up wisely. You have to understand that relationships do not require a fight to win, but wisdom to maintain them. Therefore, after a fight, instead of 'who should talk first', focus on 'I will end the fight'. Let us know how reconciliation can be done after a fight. Do not hesitate, understand that taking the first step will not make you small in the relationship. Therefore, do not hesitate to apologize, it strengthens the relationship. Forget the ego, do not let ego come in between the relationship. Who was right in the fight, it matters less. Being together is more important. But when ego comes in between, you put yourself above and the relationship below. Do not remain silent, communication is necessary in a relationship. Silence cannot solve anything. Therefore, instead of remaining silent after a fight, look for excuses to communicate. It can also start with a small message like "How are you?" Listen carefully, most of the fights happen due to answering without understanding what the other person is saying. Therefore, listen to each other carefully. It is important to understand before speaking, only then reconciliation is possible. Do not repeat old things, do not repeat the past fight again and again. Taunting the partner on the issue on which the fight took place or remembering old things weakens the relationship. Give a surprise If you want to patch up after a fight but are unable to initiate a conversation, then a sweet surprise or a note can do wonders. A small gift or a message written from the heart can do wonders. Spend time together The easiest way to patch up is not to run away from each other after a fight, but spend time together. You can go for a walk. Watching your favourite movie or eating some good food together adds sweetness to the relationship. Give time If the fight has become quite serious, then give some time if required. Sometimes some distance is also required before a patch up.

Have you eaten mango halwa in summer, it is easy to make with this recipe

If you want to try something different then mango halwa is a great option. This dessert is especially full of the fragrance and taste of mango. Let's know how to make mango halwa easily at home. Mangoes come in abundance in the markets during the summer season. Mango is not the king of fruits for nothing. The taste of mango is as wonderful as the dishes made from it. In this season, people like to drink mango ice cream or mango shake. Mango shake is easily prepared at home in minutes, so mango shake is made at home every day. But do you know what else can you easily make from mango at home apart from mango shake? You can make mango halwa in almost the same time as it takes you to make mango shake. If you want to try something different then mango halwa is a great option. This dessert is especially full of the fragrance and taste of mango. Let's know how to make mango halwa easily at home. Ingredients required to make mango halwa Two cups of ripe mango pulp Half cup semolina Four tablespoons ghee Half cup sugar Half teaspoon cardamom powder One cup milk Half cup water Saffron and cashews, almonds Chopped Recipe to make mango halwa Step 1- Heat a pan and add two teaspoons of ghee to it Step 2- Now add semolina and fry on low flame till it becomes golden. Step 3- When the semolina starts giving fragrance, then add milk and water to it. Step 4- Keep stirring it well so that lumps do not form. Step 5- When the semolina is cooked a little, then add mango pulp and sugar to it. Step 6- Now cook it by stirring continuously till the halwa thickens. Step 7- Finally add the remaining ghee and cardamom powder and mix. Step 8- When the halwa does not stick to the pan and starts separating, turn off the gas. Step 9- Add chopped dry fruits on top and serve hot.

Despite the difficult path and torrential rain, Urmila risked her life to visit Maa Kamakhya

Recently, Bollywood's famous actress Urmila Matondkar reached to visit Maa Kamakhya despite very difficult circumstances. She has shared its pictures on her social media. Actress Urmila Matondkar reached Kamakhya temple located in Assam state on Saturday, where she has shared pictures on her social media. In these pictures, the actress is seen immersed in devotion. Along with this, she told that despite the difficult path and bad weather, she reached to visit. Let's see the pictures. Urmila Matondkar immersed in devotion Bollywood actress Urmila Matondkar has shared some pictures on her Instagram. In this, she has shared wonderful moments while visiting Maa Kamakhya temple. In a picture shared, the actress is looking very positive and overwhelmed with a tilak on her forehead. Apart from this, in another picture, the actress is seen immersed in devotion to God with Mata's chunari and diya in her hands. At the same time, in these pictures, the actress is wearing a sea green color suit. While sharing these pictures of reaching the temple through difficult paths, the actress has also given a caption. She wrote, 'Even amidst torrential rain, closed roads and a stalled city, we decided to have darshan and left everything to God. Maa called us and we had darshan today. Amazing.' Users' reactions Seeing the actress' passion for the darshan of Maa, netizens are reacting. One user wrote, 'See for sure that all your wishes will be fulfilled.' Another user said that Chhamma Chhamma girl is back. Apart from this, another user wrote that my most favorite heroine. A look at Urmila Matondkar's career Apart from Hindi films, the actress has also spread the magic of her acting in Tamil, Telugu, Malayalam and Marathi films. The actress has done many great films like 'Chamatkar', 'Aa Gale Lag Ja', 'Rangeela', 'Judai', 'Pyaar Tune Kya Kiya'. The actress was last seen on the big screen in the year 2018, the name of that film was 'Blackmail'.

Nandini Gupta will wear a gown inspired by Ganga in the final, shared the photo of the outfit on social media

Nandini Gupta's gown has been designed for the Miss World Grand Finale. This gown has been designed by connecting it to the river Ganga. Let's know about it. This time the Miss World Grand Finale is being held in India. Nandini Gupta is representing India in this competition. Before the 72nd Miss World Grand Finale, Miss India Nandini Gupta's gown is in the news. Through a social media post, Nandini Gupta has told special things about the gown designed for the grand finale. Let's know about it. Nandini Gupta's gown is a symbol of the river GangaNandini Gupta's gown for the 72nd Miss World Grand Finale has been designed by Vietnamese fashion designer Truyen. This gown of Nandini is a symbol of the river Ganga. In India, Ganga is not just a river, but it is associated with the faith of the people. People worship it. Ganga river is the spiritual lifeline of India. Two powers have been combined in the gown. In a social media post, Nandini Gupta said, 'This design of the gown pays tribute to the beauty of water and light. Ganga is not just a river, but a divine embodiment of the sacred relationship between heaven and earth. Designer Nguyen Tien Truyen has combined two ever-dynamic, ever-changing powers, water and light. Both are intertwined throughout the gown. The gown is made of delicate fabrics. In praise of the gown in the post, it is written, 'This gown, made of delicate transparent fabrics like morning mist, has flowing wave-like patterns. These patterns shape the body with beauty, giving the feeling of water flowing smoothly.' About the designer Born in 1993, designer Truyen won the Project Runway Vietnam title in 2015. After this, he became famous all over the world. Since then, he has become one of the most famous young designers of Vietnam. He is known for designing different types of clothes. Nandini Gupta has not revealed why she got the gown designed by Truyen instead of Indian designers?

Samantha enjoyed the weekend with rumored boyfriend Raj, shared many pictures and videos with fans

Recently, South's popular actress Samantha Ruth has shared some pictures on social media while enjoying her weekend. In these pictures, rumored boyfriend Raj Nidimoru is also seen with her. In the video that Samantha has shared with Raj, a special message is also written in it? For some time now, actress Samantha Ruth's name is being linked with director Raj Nidimoru. Both are often seen together. Recently, Samantha shared some pictures and videos on Instagram while spending quality time with Raj. In these pictures, Samantha is also seen enjoying the weekend to the fullest. A look at those pictures. Samantha seen enjoying exerciseSamantha has shared many pictures on Instagram, in which she is sweating in the gym, drinking healthy drinks. In one of the pictures, she was also seen playing badminton with Raj Nidimoru. Samantha was also seen advising fans to take care of their health. Special message written on Raj's video Samantha has worked with director Raj Nidimoru in the series 'Citadel Honey Bunny' and 'Family Man 2'. She is also working with him in another series 'Rakt Brahmand'. Both have been seen together for some time now. There are rumors of their dating. In the video that Samantha has shared with Raj recently, it is written on it, 'I can cancel the plan for this thing.' Although this is written about badminton, but the user feels that she is saying this for Raj. Recently, a picture of Raj and Samantha also went viral, in which she is seen resting her head on the director's shoulder. Raj's wife's cryptic post also went viral Recently, when the pictures of Samantha and Raj started going viral, the director's wife Shamli Dey also made a cryptic post on Instagram. In this post, Raj Nidimoru's wife has not taken anyone's name but social media users believe that this post is pointing towards Samantha and Raj. Let us tell you that till now the status of divorce of Raj Nidimoru and his wife is not clear. Some media reports say that they have got divorced, while some reports say that they have not officially separated yet.